बूंदी में ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, पति-पत्नी और बेटे की मौत

हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर फरार हो गया, गुस्साये लोगों ने हाईवे पर जाम लगाया

बूंदी, (निसं)। बूंदी के तालेड़ा थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी और बेटे की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर फरार हो गया। एक्सीडेंट रविवार दोपहर नेशनल हाईवे-52 पर तालेड़ा थाना क्षेत्र के सादड़ी कट के पास हुआ।

तालेड़ा थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार पति-पत्नी और एक साल का बच्चा उछलकर सड़क पर गिर पड़े। गंभीर चोट लगने के कारण तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सांवलपुरा गुमानपुरा (बूंदी) निवासी सुंदर सिंह (36) पुत्र दरबासा सिंह, उनकी पत्नी राज कौर (30) और बेटे अमृत उर्फ अमनदीप सिंह के तौर पर हुई है। शवों को तालेड़ा हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कुछ देर के लिए हाईवे पर जाम लगा दिया जिसे पुलिस ने समझाईश कर हटवा दिया। घटना से आक्रोशित लोगों का कहना है कि फोरलेन पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार से एक्सीडेंट बढ़ रहे हैं। तीनधारा महादेव कट के पास पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से शवों को अस्पताल भिजवाया।

बाइक की टक्कर से पिता और दो बच्चे घायल भरतपुर के कस्बा भुसावर की विद्यापीठ कॉलोनी निकट तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बाइक सवार पिता और दो बच्चे घायल हो गये, जिन्हें भुसावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। चिकित्साकर्मी शेखचंद ने बताया कि विद्यापीठ कॉलोनी निकट सड़क दुर्घटना में घायल नगला सिरसियान हाल विद्यापीठ कॉलोनी निवासी राकेश धाकड़ एवं उनके पुत्र मयूर और बेटी बिट्टू को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया, जहां उपस्थित चिकित्सकों की देखरेख में घायलों का उपचार किया। सड़क दुर्घटना में मयूर पुत्र राकेश धाकड़ के पैर में गंभीर चोट आने और बिट्टू पुत्री राकेश धाकड़ के सिर में चोट आने के कारण उन्हें भरतपुर रैफर किया गया है। घायल राकेश धाकड़ ने बताया कि वह अपने दोनों बच्चों को आरएससीआईटी का पेपर दिलवाकर वापस घर जा रहा था।

- **आक्रोशित लोगों का कहना है कि फोरलेन पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार से एक्सीडेंट बढ़ रहे हैं**

उदयपुर-पिण्डवाड़ा हाईवे पर छह वाहन भिड़े, चार की मौत

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर-पिण्डवाडा हाईवे रविवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में छह वाहन आपस में भिड़ गये। हाइवे पर करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया वहीं दुर्घटना में चार जनों की मौत हो गई व पांच घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार शहर के उदयपुर-पिण्डवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार शाम गोगुन्दा थाना क्षेत्र के ईसवाल के समीप मार्बल स्लैब से भरा एक बेकाबू ट्रेलर टैंकर से टकरा गया। इस दौरान तीन कारें भी इनमें आ घुसी। ट्रेलर पिंडवाड़ा से उदयपुर की ओर आ रहा था और दुर्घटना के बाद अनियंत्रित होकर एक के बाद एक गाड़ियां टकराती गई। करीब छह वाहन आपस में टकरा गए और हादसे में चार जनों की मौत के समाचार मिले हैं। हादसे में भिड़ी फॉर्च्यूनर व अन्य कारें चकनाचूर हो गई। वाहनों में फंसे लोगों को पुलिस व ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया वहीं हादसे के बाद मार्ग पर करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस उपअधीक्षक गोपाल चंदेल, गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह चारण ने मौके पर पहुंच कर राहत कार्य करते हुए मृतकों के शवों को गोगुन्दा चिकित्सालय की मोर्चरी में पहुंचाया वहीं घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय रेफर किया गया। करीब एक घंटे बाद वाहनों को मौके से हटाकर यातायात का सुचारू किया गया।

- **मार्बल स्लैब से भरा बेकाबू ट्रेलर टैंकर से टकरा गया था**

तेज रफ्तार दूध के टैंकर ने युवक की जान ली

नसीराबाद, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के कोटा रोड़ स्थित ग्राम लोहरवाड़ा में रविवार को एक सड़क हादसा हो गया। केकड़ी की ओर से आ रहे तेज गति के दूध टैंकर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी बाद में अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 वर्षीय सागर गोयर पुत्र प्रताप गोयर बाइक से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आए दूध के टैंकर ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सागर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल नसीराबाद के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों द्वारा किए गए उपचार के बावजूद सागर को बचाया नहीं जा सका।

जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टैंकर को जब्त कर लिया है तथा मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी।

तार चोरी करने वाली गैंग पकड़ी, तीन गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पुलिस ने तार चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चुराया गया सामान व वाहन बरामद किये हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा के निर्देशन में वृताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत के सुपरविजन एवं डिग्गी थानाधिकारी डिग्गी गोपाल चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा विद्युत अधिनियम में दर्ज थाना प्रकरण में कार्यवाही करते हुए मुखबिर की सूचना एवं तकनीकी संसाधनों की सहायता से तलाश कर आरोपी कल्लू उर्फ रमजू उर्फ रईश उर्फ सलीम पुत्र अनीश उर्फ सुबराती तेली निवासी पदमपुरा थाना टोडाभीम जिला करोली हाल पाटियान की ढाणी थाना खो नागोरियान जयपुर, शाहरूख उर्फ बोदा पुत्र शाहबुद्दीन निवासी शिवाजी कॉलोनी पिपलाई थाना बामनवास जिला सवाई माधोपुर व राधेश्याम पुत्र उंकार लाल तंवर निवासी पीठापुरा थाना डांगीपुरा जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया गया है।

डिग्गी थानाधिकारी ने बताया कि टीम ने आरोपियों की निशादेही से प्रकरण में चोरी किए गए विद्युत तारों को बरामद कर रैकी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं महेन्द्रा बोलेरो कार को जब्त किया गया है। उक्त सामान व वाहन रिंगरोड पुलिया थाना मुहाना मण्डी के नीचे खड़ी पिकअप में से बरामद किये गये तथा प्रकरण में शेष आरोपियों की तलाश व अनुसंधान जारी है।

नाल सिविल एयरपोर्ट पर जानवर के अवशेष के साथ फ्रांसीसी दम्पती गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। यहां नाल सिविल एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी चेकिंग के दौरान फ्रांसीसी पति-पत्नी के पास जानवर की खोपड़ी मिली। रविवार को इन्हें वाइल्ड लाइफ एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। खोपड़ी किस जानवर की है, इसकी पहचान के लिए इसे देहरादून लेबोरेट्री भेजा जाएगा। पति-पत्नी शनिवार रात को वन विभाग की निगरानी में ही रहे। दिल्ली में फ्रांस के दूतावास को भी इसकी सूचना दी गई है। जांच में सामने आया कि दोनों आठवीं बार भारत घूमने आए हैं। शनिवार रात दोनों नाल एयरपोर्ट से दिल्ली जाने के लिए चेक-इन कर रहे थे। इसी दौरान एयरपोर्ट स्टाफ को उनके पास एक संदिग्ध लगेज नजर आया। इसमें जानवर की खोपड़ी जैसा दिखने वाला वाइल्डलाइफ आर्टिकल (आइटम) मिला। शक होने पर एयरपोर्ट प्रशासन ने वन विभाग को सूचना दी। जांच में खोपड़ी हड्डी की और सींग लकड़ी के होने की पुष्टि हुई है। वन विभाग तस्करी के एंगल से भी जांच कर रहा है।

वन मंडल बीकानेर के डीएफओ वेंकटेश ने बताया कि एयरपोर्ट प्रशासन की सूचना पर संदिग्ध आइटम को जब्त किया गया। शुरुआत में वह आर्टिफिशियल लग रहा था। पुष्टि के लिए बीकानेर के राजूवास में राज्य पशु चिकित्सा लैब भेजा गया। यदि जांच में यह वन्यजीव का अंग पाया गया, तो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच रिपोर्ट आने में 20 से 25 दिन लगते हैं। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे भारत घूमने आए हैं। नागालैंड में एक प्रदर्शनी से जानवर की खोपड़ी जैसा दिखने वाला आइटम खरीदा था। शुक्रवार को वे बीकानेर पहुंचे थे।

विदेशी दंपती से मिले आइटम में जानवर की हड्डी होने की सूचना पर लोगों ने वन विभाग कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। आरोपी पति-पत्नी को रविवार को गिरफ्तारी के कुछ देर बाद ही जमानत मिल गई। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी रहेगी। वहीं, शनिवार रात को वन्यजीव प्रेमी मोखराम धारणिया के नेतृत्व में कई कार्यकर्ता वन विभाग कार्यालय पहुंचे। वे कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। स्थिति बिगड़ती देख वन विभाग ने सदर थाने को सूचना दी। सदर थानाधिकारी सुरेन्द्र पचार मौके पर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों को समझा कर मामला शांत कराया।

- **खोपड़ी किस जानवर की है, पहचान के लिए देहरादून लेबोरेट्री भेजा जाएगा**

ट्रक ने कार को टक्कर मारी, दो लोगों की मौत

सवाई माधोपुर/जयपुर। सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा थाना इलाके में स्थित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस पर शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि को ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस हादसे के बाद आरोपित चालक ट्रक लेकर फरार हो गया।

चौथ का बरवाड़ा थानाधिकारी महेंद्र शर्मा ने बताया कि हादसा शनिवार रात डेढ़ बजे चौथ का बरवाड़ा थाना क्षेत्र में हुआ था, जहां दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस पर पुलिया नंबर 181 कावड़ के पास एक कार को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस को मौके से एक युवक के पास आधार कार्ड मिला, जिसके आधार पर उसकी पहचान सोनू पुत्र जोगिंदर (28) निवासी हिसार (हरियाणा) के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक सोनू के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। वहीं दूसरे युवक के पास कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिलने से उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। वहीं हादसे के बाद फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश के लिए एक्सप्रेस पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

सड़क हादसे में तीन जने घायल : जयपुर नेशनल हाईवे-21 स्थित हलैना थाना क्षेत्र के आमोली टोल प्लाजा के पास एक ट्रेलर ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में दो महिलाओं सहित तीन जने घायल हो गए, जबकि चालक सहित अन्य चार जने बाल-बाल बच गए। सूचना पर हलैना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और टोल वसूल कम्पनी की सुरक्षा टीम की मदद से घायलों को कस्बा हलैना के राजकीय सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से घायलों को भरतपुर रैफर कर दिया, लेकिन घायलों के परिजन सभी घायलों को महवा ले गए। ट्रेलर चालक कोहरे का फायदा उठा कर ट्रेलर को लेकर भाग निकला। कार में सवार लोग दौसा जिले के महवा से वृन्दावन घूमने जा रहे थे और एक ही परिवार के सदस्य थे। थाना प्रभारी बृजेन्द्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को टोल वसूल कम्पनी की सुरक्षा टीम के सहयोग से हलैना के राजकीय सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया,जहां से समस्त घायल जयपुर उपचार कराने के लिए चले गए। हादसा कोहरे के कारण हुआ ट्रेलर के चालक ने यू-टर्न लिया और कार में टक्कर मार दी।

अवैध गैस रिफिलिंग का खुलासा, दो जने हिरासत में

अजमेर, (निसं)। जिले के पीसांगन क्षेत्र के ग्राम केसरपुरा में अवैध गैस रिफिलिंग की सूचना पर रसद विभाग, पुलिस एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गतिविधि का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से दो व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पूछताछ में लंबे समय से अवैध गैस रिफिलिंग किए जाने के संकेत मिले हैं।

जिला रसद अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि प्राप्त सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया, जहां घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में अवैध रूप से गैस भरी जा रही थी। यह कार्य बिना किसी वैध अनुज्ञा एवं सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी करते हुए किया जा रहा था, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। कार्रवाई के दौरान एक गैस टैंकर, दो पिकअप वाहन तथा एक लोडिंग टेंपो बरामद किए गए, जिनका उपयोग अवैध गैस परिवहन एवं रिफिलिंग में किया जा रहा था। इसके साथ ही एक घरेलू सिलेंडर एवं 115 कमर्शियल श्रेणी के गैस सिलेंडर, गैस भरने के लिए प्रयुक्त नोजल पाइप, टोटलाइजर मशीन, इलेक्ट्रॉनिक वजन कांटा एवं अन्य तकनीकी उपकरण जब्त किए गए। जब्त किए गए सिलेंडर एवं उपकरणों को भास्कर इंडेन गैस एजेंसी आईओसीएल सराधना को सुपुर्द किया गया, जबकि गैस टैंकर को आईओसीएल प्लांट तबीजी को सुपुर्द किया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गैस टैंकर से सीधे सिलेंडरों में गैस भरकर बाजार में खपाने की तैयारी की जा रही थी, जिससे उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी हो रही थी और जनसुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था। प्रकरण में थाना मांगलियावास में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि अवैध गैस रिफिलिंग जैसी गतिविधियां अत्यंत खतरनाक हैं, जिनसे आगजनी, विस्फोट एवं जनहानि की गंभीर आशंका रहती है। प्रशासन द्वारा इस प्रकार की गतिविधियों के विरुद्ध निरंतर सख्त निगरानी एवं कार्रवाई जारी रहेगी। प्रवर्तन दल में प्रवर्तन अधिकारी रेणुका चतुर्वेदी, प्रवर्तन निरीक्षक राहुल वेदवाल, मुकेश बुगालिया, मांगलियावास थाना अधिकारी दिनेश कुमार तथा जिला स्पेशल टीम के उप निरीक्षक सत्यवान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

किराना दुकान व अनाज गोदाम में आग से 50 लाख का नुकसान

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा क्षेत्र में स्थित ग्राम रामपुर में देर रात्रि अज्ञात कारणों से एक अनाज, किराना और जनरल स्टोर की दुकान में आग लगने से करीब 50 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार हरिप्रसाद पुत्र खेताराम अग्रवाल ने ग्राम रामपुर में किराना जनरल स्टोर की दुकान है। दुकान के पास ही अनाज का गोदाम भी है। शुक्रवार रात्रि आठ बजे रोज की तरह दुकान मंगल कर गए थे। उसके पश्चात शनिवार सुबह करीब 4.30 बजे ग्रामीणों ने फोन कर सूचित किया कि आपकी दुकान से तेज धुआं निकल रहा है। लोगों से सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दुकान मालिक ने आग देखी तो वो अचेत हो गए। इसके बाद ग्रामीणों ने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस और फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलती पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और दुकान खोलकर देखा तो सारा सामान धूं-धूं करके जल रहा था। कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था। अग्निकांड में लगभग 50 लाख रुपए से अधिक का अनाज,किराना और जनरल का सामान जल गया।

- **सुबह दुकान से धुआं निकलता देख ग्रामीणों ने पुलिस, फायर ब्रिगेड व मालिक को सूचना दी**

शिक्षक की मौत

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा पालिका क्षेत्र के प्रागपुरा कस्बे में निराश्रित पशु और जानवर लोगों के लिए मुसीबत बन गए हैं। तीन दिन पहले प्रागपुरा कस्बे में बाजार जा रहे प्रागपुरा निवासी एक बुजुर्ग शिक्षक संपत लाल पर सांड (मवेशी) ने हमला कर दिया जिसके बाद वो गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बुजुर्ग को ग्रामीण कोटपुतली अस्पताल ले गए, जहां तीन दिन के इलाज के बाद बुजुर्ग शिक्षक ने दम तोड़ दिया।

माण्डलगढ़ के कल्याणपुरा में कृषि विभाग का फार्म बदहाली के कगार पर पहुंचा

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ उपखण्ड के कल्याणपुरा में राजस्थान बीज निगम के अधीन संचालित 300 बीघा के कृषि विभाग के फार्म पर व्यवस्थाओं की पोल एक बार फिर खुलकर सामने आई है। चार दशकों से फार्म से ठेका पद्धित से होने वाली करोड़ों की आय के बावजूद आज तक सुविधाओं के नाम पर बीज निगम के अफसरों ने एक रुपया भी खर्च नहीं किया। परिणामस्वरूप सरकारी कृषि फार्म पर बने मकान, गोदाम खंडहर हालात में पहुंच चुके है। वहीं कृषि फार्म पर फसल सुरक्षा के लिए चारों दिशाओं में लगी तार जाली भी जर्जर होने से आवारा पशु फसल को चट कर जाते हैं, सिंचाई के पर्याप्त संसाधन भी नहीं हैं।

कल्याणपुरा कृषि फार्म के ठेकेदार से खेती के लिए अलग-अलग प्लॉट लेने वाले किसानों ने बताया कि बीज निगम इस 300 बीघा के कृषि फार्म को करीब 4 दशक से प्रति 3 वर्ष ठेके के लिए ठेकेदार को निगम द्वारा नीलामी प्रक्रिया से दिया जाता है, जिससे निगम करोड़ों रुपये की आय प्राप्त करता है। ठेकेदार यहां खेती करता है और निगम को मजबूत राजस्व मिलता है। इसके बावजूद आय का एक छोटा हिस्सा भी फार्म के विकास, संरचना सुधार, उपकरण खरीद या सुरक्षा व्यवस्था पर खर्च नहीं किया गया है। स्थानीय किसानों और ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 35-40 वर्षों में फार्म की हालत जस की तस है। न नई सुविधाएं, न रखरखाव कृषि फार्म निगम के लिए केवल कमाई का जरिया बनकर रह गया है। फार्म हाऊस पर बने मकान गोदाम जर्जर, किसानों को सर्दी, बरसात में पेड़ों के नीचे छिपना पड़ता हैं।

कल्याणपुरा का कृषि फार्म भवन जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है।

कृषि फार्म पर खेती करने वाले किसानों का आरोप है कि पुराने भवनों की दीवारें उखड़ चुकी हैं। टीन शेड जर्जर हो चुके हैं, निवास एवं ठहराव के काबिल नहीं रहे हैं। सिंचाई व्यवस्था के नाम पर पुराने, टूटे-फूटे कुंए और नलकूप ही सहारा हैं। वर्तमान में सिंचाई के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। सुरक्षा के लिए कोई चौकीदार, फेंसिंग या सीसीटीवी कैमरा जैसी व्यवस्था नहीं है। निगम का यह कृषि फार्म क्षेत्र में कृषि अनुसंधान, उन्नत बीज उत्पादन और डिमॉन्स्ट्रेशन का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

किसानों का आरोप है कि निगम के जिम्मेदार अधिकारी केवल ठेके की बोली और कागजी औपचारिकताओं में रुचि लेते हैं। फार्म की वास्तविक स्थिति, विकास योजनाएं और क्षेत्रीय किसानों को तकनीकी लाभ पहुंचाने पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता और फसल उपज की खरीददारी में भी निगम द्वारा भारी अनियमितता की जाती हैं।

किसानों ने सवाल उठाया कि जब करोड़ों की आमदनी बीज निगम को हो रही है, तो 40 साल में भी एक ईंट क्यों नहीं जोड़ी गई? आखिर यह धन कहां जाता है?

इस मामले पर बीज निगम अधिकारियों से संपर्क किया गया, लेकिन किसी ने भी फार्म की बदहाल स्थिति पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी। न ही यह स्पष्ट किया कि ठेका आय का उपयोग कहां होता है और क्यों इस कृषि फार्म को लगातार उपेक्षा के अंधेरे में छोड़ दिया गया है।

300 बीघा का यह कृषि फार्म आज उस स्थिति में पहुंच चुका है जहां यह न किसानों के लिए उपयोगी रहा और न सरकार के लिए प्रतिष्ठा का केंद्र। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सरकार समय रहते ध्यान नहीं देगी तो यह फार्म आने वाले वर्षों में पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। ग्रामीणों और कृषि संगठनों ने कृषि मंत्री को प्रेषित पत्र में मांग की है कि ठेका आय का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। पिछले चार दशकों में खर्च और रखरखाव का ऑडिट कराया जाए। फार्म को संवर्धन हेतु बजट आवंटित किया जाए। आधुनिक उपकरण, सिंचाई सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था तुरंत लागू की जाए। वहीं कृषि फार्म पर चोरी कर ले गए सैकड़ों पेड़ों की स्वतंत्र एजेंसी से जाँच करा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

ओमप्रकाश चौधरी, प्लांट मैनेजर, राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन, भीलवाड़ा का कहना है कि कल्याणपुरा कृषि फार्म को कृषि विभाग ने लीज पर दे रखा है, किसानों की समस्या को लेकर फार्म के संवेदक ने तार जाली फेंसिंग मरम्मत के लिए पत्र निगम को भेजा था। उक्त समस्या के समाधान के लिए प्रबंध निदेशक, राज्य बीज निगम लिमिटेड, जयपुर ओर जिला कृषि अधिकारी को अवगत करा रखा है, बजट मिलने पर कृषि फार्म पर सुविधा व्यवस्था में सुधार करा दिया जाएगा। वैसे भी कृषि फार्म जिस हालत में हैं, वैसे ही संवेदक को कृषि कार्य के लिए तीन वर्ष के लिए ठेके पर दिया जाता है।

- **राजस्थान बीज निगम के अधीन संचालित 300 बीघा के कृषि विभाग के फार्म पर ठेका पद्धित से करोड़ों की आय होती है**
- **आज तक सुविधाओं के नाम पर बीज निगम के अफसरों ने एक रुपया भी खर्च नहीं किया, फार्म पर बने मकान गोदाम खंडहर हालात में पहुंच चुके हैं**
- **स्थानीय किसानों और ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 35-40 वर्षों में फार्म की हालत जस की तस है**

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
RISING RAJASTHAN
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025
राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक एवं नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट
सातवाँ चरण

अन्तिम 4 दिन शेष

आवेदन एवं EMD की अंतिम तिथि
18 दिसम्बर, 2025 (सायं 6 बजे तक)

ई-लॉटरी
23 दिसम्बर, 2025

107 औद्योगिक क्षेत्र | 7 नए औद्योगिक क्षेत्र | 6,025 कुल औद्योगिक भूखण्ड | 5,253 अनारक्षित भूखण्ड | 40 लॉजिस्टिक भूखण्ड

नए औद्योगिक क्षेत्र
घुंवाला (भीलवाड़ा) | रूंध सौंखरी (अलवर) | बारोली (धौलपुर) | पीपलूंद (भीलवाड़ा) | कीड़ीमाल (भीलवाड़ा) | सथाना - जनरल जोन (ब्यावर) | केकड़ी एक्सटेंशन (अजमेर)

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड
215 अनुसूचित जाति/जनजाति | 224 महिला वर्ग | 119 भूतपूर्व सैनिक | 146 बेंचमार्क दिव्यांगता | 68 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित

आवंटन की प्रक्रिया
एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

पात्रता - निवेशक जिन्होंने 19/11/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस योजना में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।
- भूखण्ड का आवंटन एमओयू धारक के नाम पर ही जारी किया जाएगा।

आवेदन हेतु स्कैन करें

भूखण्ड की राशि का भुगतान
*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए https://riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें या riicoerp.industries.rajasthan.gov.in/DirectLand पर विजिट करें

*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005
हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
riico.rajasthan.gov.in · riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

राज.संवाद / सी / 25 / 15733